INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8	Department: Hindi (3rd Lang)	Date of submission:
Worksheet No:4	**Topic:** अर्थग्रहण	**Note: File it in your portfolio**

निर्देश- दिए गए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद के आधार पर लिखिए |

देश प्रेम का अर्थ है-देश से लगाव, देश के प्रति अपनापन। व्यक्ति जिस देश में जन्म लेता है, जिसमें रहता है उसके प्रति लगाव होना स्वाभाविक है। सच्चा देशप्रेमी अपने देश के लिए अपना तन-मन अर्पित कर देता है। देश प्रेम एक पवित्र भावना है , निस्वार्थ प्रेम है, दीवानगी है। देश के लिए न्यौछावर हो जाने से बढ़कर और कोई गौरव नहीं है। भारत में शिवाजी, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मी बाई, सरोजिनी नायडू, तिलक, गोखले, आज़ाद, सुभाष जैसे देशभक्त हुए हैं। देश प्रेम की भावना धन-दौलत,समृद्धि,सुख-वैभव आदि में सबसे ऊपर है। भगवान् राम ने भी लंका विजय के बाद लक्ष्मण से कहा था-हे लक्ष्मण ये सोने की लंका भी मुझे स्वदेश से अच्छी नहीं लगती। अपनी धरती माँ और अपनी जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान होती है। देश प्रेम वह धागा है जिससे राष्ट्र के सभी मोती आपस में गूँथे रहते हैं,सभी लोग देश से जुड़े रहते हैं। बड़ी से बड़ी विप्पति भी देश प्रेम को देखकर निष्फल हो जाती है। प्राकृतिक विपदाएँ बाढ़, तूफ़ान, महामारी, युद्ध या और कोई भी संकट भी देशप्रेम की ढाल पर झेला जा सकता है।

प्र1- देश प्रेम का क्या मतलब है?

उ- --

प्र2- सच्चा देश प्रेमी कौन होता है?

उ- --

प्र3 - भारत के किन्हीं चार महान देशभक्तों के नाम लिखिए|

उ- --

प्र4 - देश प्रेम किस प्रकार के धागे के समान है?

उ- --

प्र5- देश प्रेम की ढाल से किन संकटों का सामना किया जा सकता है?

उ- --

प्र6- गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए|

उ- --

-----------000-----------